बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

यीशु का 5000 लोगों को खिलाना

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Janie Forest

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2014 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

कई धार्मिक नेताओं ने (फरीसी कहलाते है) यीशु के बारे में झूठी अफवाहें फैलायी। कुछ लोगों ने उसे मारने तक की कोशिश की।

उन्होंने यह विश्वास नहीं किया कि वह वास्तव में परमेश्वर का पुत्र था। उसके चमत्कार जो साबित करते थे की वह परमेश्वर का पुत्र है, फिरभी वे उसे स्वीकार
नहीं किये।

एक दिन, यीशु गलील के सागर को पार किया। शायद वह, उसके पास हमेशा इकट्ठी भीड़ से एक छोटा अवकास लेना चाहता था।

लेकिन भीड़ ने जल्द ही उसे ढूँढ निकला। क्योंकि वे यीशु के महान चमत्कारों को जानते थे। वे उसके साथ रहना चाहता थे।

यीशु एक सुनसान पहाड़ की ओर अपने चेलों को ले गया और वहां वह शिक्षा देने के लिए बैठ गया। अधिक, और अधिक लोग आते रहे। जल्द ही रात के भोजन का समय आ पहुँचा। हर कोई को भूख लगी होगी।

यीशु भीड़ को देखा। उसने फिलिप्पुस से पूछा,"हम कहाँ से इनके लिए इतनी रोटियां ख़रीदें की ये सब लोग तृप्त हो सके?" वहाँ आसपास में कोई खाद्य पदार्थ की दुकानें नहीं थी।

यीशु क्या करने की योजना बना रहा था?

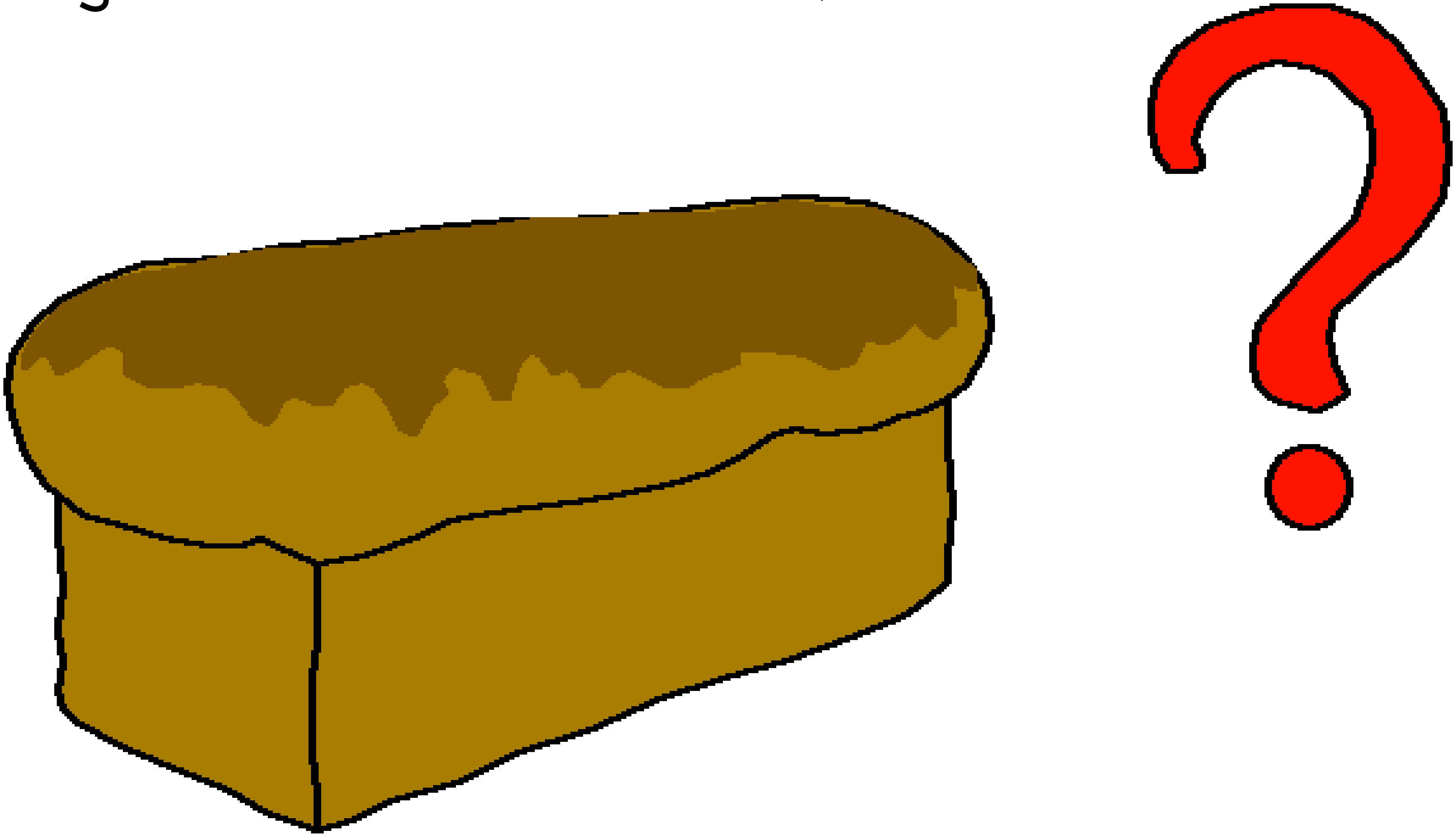

फिलिप्पुस यीशु ने उत्तर दिया, "इस भीड़ को खिलाना तो असंभव होगा" यीशु और उसके चेलों के पास ज्यादा पैसे नहीं थे।

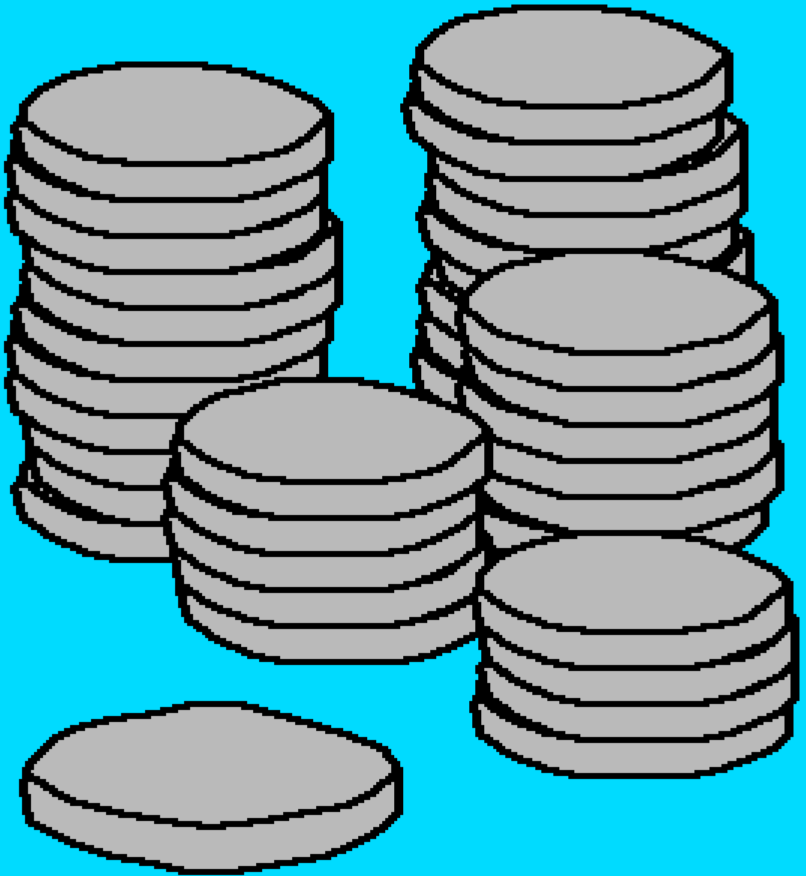

उनमे से एक और शिष्य, अन्द्रियास ने (शमौन पतरस का भाई) यीशु से कहा: "यहां एक बालक है जिसके पास पाँच जौ की रोटियां और दो छोटी मछली है ... ।"

"...लेकिन ये इतने सारे लोगों के बीच में क्या हैं?" अन्द्रियास नहीं जनता था कि यदि यह छोटा लड़का अपना भोजन देने के लिए तैयार हो तो, इस थोड़े से भोजन से यीशु बहुत सारे (सब) लोगों को खिला सकता था।

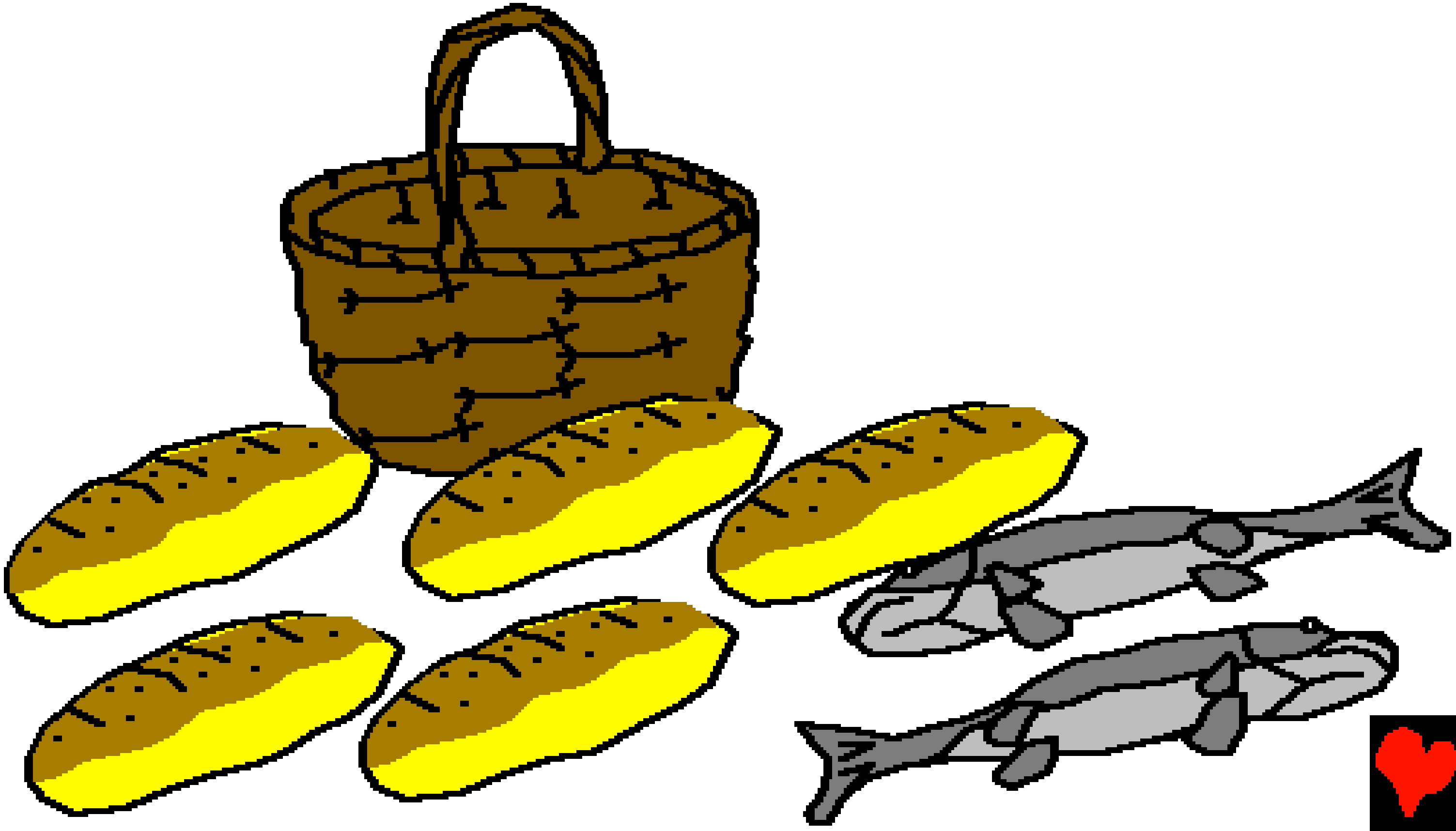

यीशु ने लोगों को नीचे बैठने के लिए कहा, तो केवल पुरुषों लगभग पांच हजार की संख्या में बैठ गए। वाह! पांच हजार! यहां तक कि वहाँ पर उपस्थित महिलाओं और बच्चों को इस गिनती में शामिल नहीं किया था।

आगे, यीशु ने रोटियां और मछली ली। छोटा लड़का यीशु पर भरोसा किया। वह नहीं जानता था की यीशु ने उसके दोपहर के भोजन को क्यों लिया है और उससे क्या करना चाहता है। वह सोचा होगा, "यदि मैं अभी अपने दोपहर का भोजन दे दूंगा, तब मैं नहीं खा पाऊँगा।" लेकिन तौभी उसने उसे यीशु को दे दिया।

तब यीशु ने प्रार्थना की। उसने परमेश्वर को धन्यवाद दिया। क्यों, केवल पांच रोटियों और दो मछली के लिए? हाँ! यीशु ने परमेश्वर को "धन्यवाद दिया" और भोजन आशीष देने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना किया।

प्रार्थना करने के बाद, यीशु ने रोटियों और मछलियों को तोड़ कर अपने शिष्यों को दिया ताकि वे उस महान भीड़ के बीच उन्हें बाँट दें। और तब लोगों ने यीशु के इस चमत्कार को देखा। प्रत्येक व्यक्ति को जितना चाहिए था सब ने भरपूर खाया। तौ भी रोटियां और मछलियां खत्म नही हुई।

जब सब लोग तृप्त हो गए, उसके बाद भी बहुत सारा रोटी और मछली वहाँ पड़ा था। यीशु ने चेलों से कहा, "इन टुकड़ो को इकट्ठा कर कर लो, ताकि कुछ भी नुकसान न हो" वे जूठन की रोटियों वाले टुकड़ो के साथ बारह टोकरियां भर दिये जो उन लोगों द्वारा छोड़ दिया गया था।

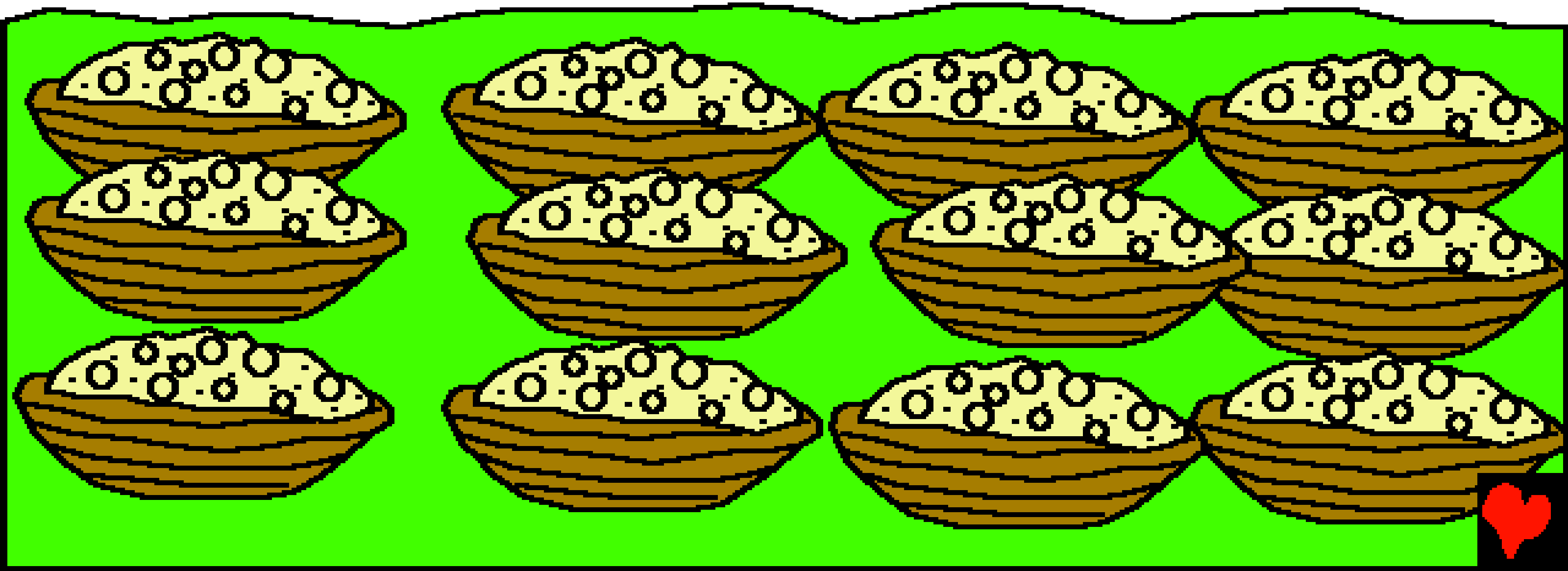

उस दिन, यीशु ने एक छोटे लड़के के दोपहर
के भोजन के द्वारा 5000 से भी अधिक
लोगों को खिलाया। एक दूसरी बार, वह
सात रोटियों और कुछ मछलियों से
4000 से भी अधिक लोगों
को खिलाया।

जब आम लोगों ने इन संकेतों को देखा तब, वे फरीसियों की तरह नाराज नहीं थे। इसके बजाय वे कहने लगे कि "वास्तव में यह पैगंबर है जो दुनिया में आने वाला था।" वे जान गए थे की यीशु ही उद्धारकर्ता है, जिसके आने का वायदा परमेश्वर के पवित्र वचन में किया गया है।

यीशु का 5000 लोगों को खिलाना

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

यूहन्ना 6

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16